2

26

M.K. [illegible] No 37

१) सामी प्राती

२) पञ्चस्तवी स्तव:

३) शिव सहस्रनाम०

४) महिम स्तोत्र

५) ब्राह्मी विद्या

६) अपराजिता विद्या

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ह्रां अ

ङ्गुष्ठाभ्यां नमः ह्रीं तर्जनीभ्यां नमः

ह्रूं मध्यमाभ्यां नमः ह्रैं अना

मिकाभ्यां नमः ह्रौं कनिष्ठिका

भ्यां नमः ह्रः करतलकरपृष्ठा

हुं नमः ॐ ह्रूं ह्रस्वाय नमः ॐ
ह्रीं मितभिश्रान्त ॐ ह्रुं स्मितापाङ्गे
नमूल ॐ ह्रैं करमध्यहुं ॐ ह्रैं
नैःसंहैर्विधल ॐ ह्रः महाद्युच
ल ॐ ह्रीं श्रीं रूं श्रीं गल्लधरव
नमः ॐ ह्रीं श्रीं क्लं क्लीं कृत्यफल्ग
यनमः ॐ ह्रीं श्रीं गीं गुल्माङ्गुम
किमाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं वरमुद्रा
धराय भिं कल्पनमः ॐ ह्रीं श्री
ममवृषभपाङ्केहुंनमः ॐ ॐड्रा
यफलः ॐ वृषेश नमः पार्वत्
येनमः पाशमाधूर्याय नमः प
रमश्रिनेनमः वृषीमिहूंहूनमः

ॐ गुरुभ्यः ॐ ह्रीं श्रीं त्रिभुवन
नमः ॐ ह्रीं श्रीं विष्णवे नमः ॐ ह्रीं
श्रीं नारायणाय नमः ॐ ह्रीं श्रीं नन्दिने
नमः ॐ ह्रीं श्रीं शुक्लाय नमः ॐ
ह्रीं श्रीं शुक्लाङ्गाय नमः ॐ अथ भगव
त्यै देव्यै ध्यानः ॐ ह्रीं श्रीं कौमा
र्यै नमः ॐ ह्रीं श्रीं वैष्णव्यै नमः ॐ
ह्रीं श्रीं वाराह्यै नमः ॐ [illegible] ॐ
ह्रीं श्रीं माहेन्द्र्यै नमः ॐ ह्रीं श्रीं
चामुण्डायै नमः ॐ ह्रीं श्रीं महा
लक्ष्म्यै नमः ॐ अथ क्षेत्रे ॐ अथ
द्वारपालाः ॐ ह्रीं श्रीं गणपतये
नमः ॐ ह्रीं श्रीं क्षेत्रपालाय नमः ।

शा॰ भा॰ ३

कीलकं ह्रीं शक्तिः श्रीदेवीप्र

साद सिद्ध्यर्थे जपे विनियोगः ह्रिं

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

हिलघ्रंहिफिपमेहिफिश्चिघेल
कि भपकैल्ठविभुविठक्यानंभ
यमेनभः ॐ वङ्किउगड्डिघ्नेमेवि
भभिठगुमयिनि ॐ घमिउ
डुपमगिउभवमडविनगमिनि ॐ
नेउहुःभवमठक्षुमश्किडगिउ
पके ॐ उवहुठिजेपवंषुंम
श्किहूयिनगमिनी ॐ मश्कि
भाउपहूभव्वयञीफठजिउः ॐ
हिफिमेठतुभगैपुंहिफिभप
मंभायभ ॐ वियोकिविड्डिघं
नगमंवियोफिवलवमभी ॐ वि
हिफिमेविकलुगंविमेफिविभ

मे॰
भ॰
१

[illegible]

[illegible]

ष्णायां वा चतुर्दश्यामष्टम्यां वा स
माहितः ददाति प्रतिगृह्णाति ना
न्यथैषा प्रसीदति इत्थंरूपेण की
लेन महादेवेन कीलितम् यो नि
ष्कीलां विधायैनं नित्यं जपति संस्फुटम्
स सिद्धः स गणः सोऽपि
गन्धर्वो जायते नरः न चैवाप्यटतः
तस्य भयं क्वापि न जायते नापमृ
त्युवशं याति मृतो मोक्षमवाप्नुयात्
ज्ञात्वा प्रारभ्य कुर्वीत न कुर्वाणो
विनश्यति ततो ज्ञात्वैव सम्पन्नमि
दं प्रारभ्यते बुधैः सौभाग्यादि च यत्
किञ्चिद् दृश्यते ललनाजने ३

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

वक्ष्ये श्रीपञ्चमीविद्येश इदं
तु देव्याः कवचं यः पठेत्त्रियतः भक्ति
भावपापविनिर्मुक्तो गच्छेल्लोकं भग
वत्याः अस्याः प्रसादेन [illegible] कवचं
कण्ठे धृत्वा [illegible] संज्ञीसं [illegible]
नरः कवचमभ्यासः [illegible]
[illegible] भवः य
[illegible] कवचं
भा [illegible]
[illegible]:॥ ॥ इति श्रीविश्व
[illegible] देवीकवचं [illegible]
[illegible] ॥ ॥
इति श्रीभगवत्कान्तासहितम् [illegible] नमः ॥ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

रुद्रमूर्त्तये नमः शिवमूर्त्तये नमः शक्ति
मूर्त्तये नमः अनेन भस्मधारणेन भगवान्
रुद्रः प्रीयतां प्रीतोस्तु ॥ अथ भस्मवन्द
नमन्त्रः [illegible]
[illegible] ब्रह्मविष्णुमहेश्वराख्यः गा
यत्रीगणपतिपूजनं [illegible] श्रीभद्रका
लीभद्रलक्ष्मीभद्रसरस्वतीदेव
ताः [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] विघ्नविनाशनः ब्रह्मवि
ष्णुमहेश्वरस्वरूपिणे नमः शिरसि गा
यत्रीगणपतिस्कन्दमूर्त्तये नमः भाले

पे. भ. ०३

भगकालीभगलक्ष्मीभगभास्व
हृदयेवस्त्रेनमेस्तुमि नन्दुनाकण्ठ
मीनीभगमत्रिस्त्रेनमेस्तुभुने मन्त्र
मत्रिकशताह्मदेवीलस्त्रेनमे
गमभुने भग्रिवायुमहस्त्रेन
मेनमो लव्यविनियोगः भवान्
म॥ मषकरन्तुभः ऐं मकुम्
हुंनमः ह्रीं उत्तलीहुंनमः क्लीं
भग्रुभगहुंनमः मामभुगाये मना
भिकहुंनमः विद्ध्वकानिभ्रुक
हुंनमः ऐंह्रींक्लीं मामभुगाये
विद्ध्वकरालकाय भ्रहुंनमः
मषषतनन्त्रुभः ऐंकुमयम्

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

𑆥𑆠𑆴𑆁𑆱𑆶𑆒𑆤𑆷𑆤𑆶𑆠𑇀𑆫𑆁𑆱𑆑𑆬𑆴𑆞𑆠𑆶𑆫𑇀𑆮𑆱𑆩
𑆤𑆂 𑆑𑆴𑆁𑆨𑆴𑆫𑆷𑆤𑆠𑆴𑆬𑆤𑆨𑆴𑆫𑆷𑆤𑆠𑇀𑆫
𑆨𑆴𑆨𑆫𑆷𑆩𑆼𑆠 𑇓𑇑 𑆪𑆠𑇀𑆫𑆽𑆨𑆱𑇀𑆮𑆬𑆁𑆱𑆴𑆠
𑆮𑆴𑆠𑆶𑆬𑆴𑆁𑆱𑆶𑆣𑆴𑆮𑆠𑆲𑆶𑆱 𑆇𑆰𑆳𑆁𑆫𑆷𑆫𑆩𑆤𑆴𑆂
𑆱𑆶𑆨𑆽𑆘𑆽𑆩𑆤𑆲𑆶𑆁𑆱𑆫𑆷𑆪𑆠 𑇓𑇓 𑆑𑆿
𑆨𑆴𑆑𑆴𑆁𑆪𑆠𑇀𑆫𑆨𑆤𑆠𑆶𑆩𑆶𑆯𑇀𑆫𑆵𑆠𑆴𑆱𑆶𑆤𑆴𑆱𑆶𑆫
𑆨𑆳 𑇓𑇔 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆨𑆑𑇀𑆠𑆱𑇀𑆠𑇀𑆪𑆶𑆪𑆇𑆑𑆳𑆩 𑇓𑇕
𑇓𑇓 𑆨𑆿 𑆨𑆑𑇀𑆠𑆴𑆠𑆿 𑆮𑆴𑆱𑆶𑆠𑆁𑆨𑆤𑆴𑆁𑆱𑆩𑆥
𑆱𑆴𑆠𑆿 𑇓𑇖 𑆨𑆨𑆟𑆣𑆴𑆠𑇀𑆫𑆨𑆮𑆽𑆱𑆶𑆱𑆿𑆨
𑆩𑆣𑆟𑆘𑆴𑆮𑆱𑆠𑆨𑆳𑆂 𑆑𑆠𑇀𑆫 𑆇𑆘𑆿𑆪𑆱𑆳
𑆠𑇀𑆫𑆶𑆰𑇀𑆛𑆁𑆪𑆱𑆳𑆁𑆑𑆠𑆿𑆤𑆨𑆴𑆁𑆮𑆴𑆱𑆩𑆳 𑇓𑇗 𑆇
𑆨𑆮𑆴𑆰𑆶𑆁𑆑𑆱𑆳𑆂 𑆑𑆯𑇀𑆫𑆴𑆱𑆶𑆠𑇀𑆫 𑆇𑆖𑆽𑆱𑆶𑆥𑆳
𑆘𑆴𑆠𑆿 𑇓𑇓 𑆓𑆱𑇀𑆠𑆽𑆮𑆩 𑇓𑇗 𑆑

[illegible]

[illegible]
[illegible] ॥१०॥ [illegible]
[illegible] ॥११॥ [illegible]
[illegible] ॥१२॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१३॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१४॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥१५॥ [illegible]
[illegible] ॥१६॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १० ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ११ ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १२ ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ १३ ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

37

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

प्रकृत्यै भद्रायै नमः ०२ अतिसौम्यातिरौ-
द्रायै नमस्तस्यै नमो नमः नमो जग-
त्प्रतिष्ठायै देव्यै कृत्यै नमो नमः ०३ या
देवी सर्वभूतेषु विष्णुमायेति शब्दि-
ता नमस्तस्यै ०४ नमस्तस्यै ०५
नमस्तस्यै नमो नमः ०६ या देवी
सर्वभूतेषु चेतनेत्यभिधीयते नमस्त-
स्यै ०७ नमस्तस्यै ०८ नमस्तस्यै नमो
नमः ०९ या देवी सर्वभूतेषु बु-
द्धिरूपेण संस्थिता नमस्तस्यै १०
नमस्तस्यै १० नमस्तस्यै नमो नमः ११
या देवी सर्वभूतेषु निद्रारूपेण सं-
स्थिता नमस्तस्यै ११ नमस्तस्यै १२

𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇓𑇔 𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆠𑆸
𑆰𑇀𑆟𑆳 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇓𑇕 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇓𑇖 𑆤
𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇓𑇗 𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆑𑇀𑆰𑆳𑆤𑇀𑆠𑆴
𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇓𑇘 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇓𑇙 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠
𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇔𑇐 𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆘𑆳𑆠𑆴
𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇔𑇑 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇔𑇒 𑆤𑆩
𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇔𑇓 𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆬𑆘𑇀𑆘𑆳
𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇔𑇔 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇔𑇕 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠
𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇔𑇖 𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆯𑆳𑆤𑇀𑆠𑆴
𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇔𑇗 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇔𑇘 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠
𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇔𑇙 𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆯𑇀𑆫𑆵 𑆤
𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇕𑇐 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇕𑇑 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽
𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇕𑇒 𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆬𑆑𑇀𑆰𑇀𑆩𑆵 𑆤𑆩

𑆢𑆼𑇇
𑆩𑆳𑇇
𑇕𑇒

स्यै ४४ नमस्तस्यै ४५ नमस्तस्यै
नमो नमः ४६ या देवी शान्ति न
मस्तस्यै ४७ नमस्तस्यै ४८ नमस्त
स्यैनमो नमः ४९ या देवी श्रद्धा
नमस्तस्यै ५० नमस्तस्यै ५१ नमस्त
स्यैनमो नमः ५२ या देवी कान्ति न
मस्तस्यै ५३ नमस्तस्यै ५४ नमस्तस्यै
नमो नमः ५५ या देवी लक्ष्मी नम
स्तस्यै ५६ नमस्तस्यै ५७ नमस्तस्यैन
मो नमः ५८ या देवी वृत्ति नमस्तस्यै
नमस्तस्यै ५९ नमस्तस्यैनमो नमः ६०
या देवी स्मृति नमस्तस्यै ६१ न
मस्तस्यै ६२ नमस्तस्यैनमो नमः ६३

𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆢𑆪𑆳 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇖𑇔 𑆤𑆩
𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇖𑇕 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇖𑇖
𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆠𑆶𑆱𑇀𑆛𑆴 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇖𑇗 𑆤
𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇖𑇘 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇑𑇐
𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆩𑆳𑆠𑆸 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇗𑇐 𑆤𑆩
𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇗𑇑 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇗𑇒
𑆪𑆳𑆢𑆼𑆮𑆵 𑆨𑇀𑆫𑆳𑆤𑇀𑆠𑆴 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇗𑇓 𑆤𑆩
𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇗𑇔 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇗𑇕
𑆇𑆤𑇀𑆢𑇀𑆫𑆴𑆪𑆳𑆟𑆳𑆩𑆣𑆴𑆰𑇀𑆜𑆳𑆠𑇀𑆫𑆵𑆨𑆷𑆠𑆳𑆤𑆳𑆁𑆖𑆳𑆒𑆴
𑆬𑆼𑆰𑆶𑆪𑆳 𑆨𑆷𑆠𑆼𑆰𑆶𑆱𑆠𑆠𑆁𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽𑆮𑇀𑆪𑆳𑆥𑇀𑆠𑆴𑆢𑆼𑆮𑇀𑆪𑆽
𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇗𑇖 𑆖𑆴𑆠𑆴𑆫𑆷𑆥𑆼𑆟𑆪𑆳𑆑𑆸
𑆠𑇀𑆱𑇀𑆤𑆩𑆼𑆠𑆢𑇀𑆮𑇀𑆪𑆳𑆥𑇀𑆪𑆱𑇀𑆡𑆴𑆠𑆳𑆘𑆓𑆠𑇀 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇗𑇗
𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽 𑇗𑇘 𑆤𑆩𑆱𑇀𑆠𑆱𑇀𑆪𑆽𑆤𑆩𑆾𑆤𑆩𑆂 𑇓𑇐

𑆢𑆼𑇅 𑆩𑆳𑇅 𑇘𑇗

[illegible]

ह्रीं ह्रीं नीमां ऽितमिकवन्न १
ऽिः टकल्लुवसैमेर्नुः भक्तैभक्त्य
रिः भमामयु भमाणमुमैद्वा
यविभ्रवन्त २ भ्रुत्रुभ्रुञ्जत्रुभा
कल्लुभवगतुः भक्तैपः भ्रुकैमे
नभपिधंप्रुभल्लेमनभा ३ देवप्र
ल्लेमनम्ब्रुंश्वमैत्रुधविवरिः ४
भनयवलम्बुक्तुंकैमाकव्रा वि
कुलभा ५ उद्भवि [illegible] कथि
शुम्भवैडिभ्रुडेधवः भकतुहुभैरव
धियक्षेगवुचावकव ६ पधिकव
म ७ उनम्बुभम्बुश्लुंभमैत्रे
प्रधल्लेमनः ८ उः भम्बुभकभु [illegible]

गुहत् श्रीपद्मधरीपानासङ्कु
म्भं त्रिशूलं च १ सर्वविघ्नगव
मनालिङ्गललनशीमत विभ
गणेशनयनानालप्रशिवसिद्धया
मवेगेन छिपाशिव धनुर्यशीभक
भाना मैहेश्वरभागीत भक्तस्य
३शूलभां ७ घाष्टिगणकस
गणपेपधन्भतभत्रिशना म
भानवैकणकेन भापरिस्थव
तनं ०· इन्द्रघपे पंगुणोराघा
मगधिनमरू विरिधवक्रे समने
मचयनशिवभा ०० मकंसगु
नकेमेभधीवायाभक्षमभाभा

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भः कन्दर्प भाग्यमत्रे ब्रह्मण्
श्रीशैः भक्तभूमः ॥ ७ ॥ उनिम
ज्ञ [illegible] केनिविसभाग्यनिउक्त
यथा रफुदसक्रुविभ्राणनिभवक्र
निध्यनेमिरम् ॥ ८ ॥ उलदक्म
उनमठीभंकरवनगलिनी क
लीवराल [illegible] ग्रसमने
क्रुत्ना ॥ ९ ॥ उज्ज्वलमभक्तिं
ससेवीसक्ष भपावउ यान्तीह
सम्भूकेमेघ सिरभेना भिना क्लिन
ग ॥ १० ॥ चक्रध [illegible] पवडं सक्त
मशृं निधगउभ ॥ रअ्ब्रपाउयस
भोयद्रक्ष [illegible] उनमश ॥ १० ॥ क

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

कान्तीकुलधृतविलसितान्ता । १४
हृन्मध्ये धिरं स्फुरती उच्चतीर्णमात्
स ॥ ११ कमण्डलुमालाङ्कधरत
वीर्याह्वेन्दुसमः स्फुरच्छ्रीमक
वैश्च्युत्तेन येन भगवति ॥ ११
भन्देश्वरीरिशूलेन उत्प्रसवे
वैष्णवी मैत्र्युज्ज्वलनकोभागी
उत्तमहाज्योतिकैः पि भक्ता ॥ १८ ॥ सेत्तूी
जलिमधरेन मातमैत्रेमानवः
ये विलसिताः धनुं नपियेच्छ
धवाक्षिणः ॥ १५ ॥ उत्कृष्टभृगवि
श्रवतंसं स्फुरत्प्रमाद्यवक्रमः वरद
भक्तहृतपतं स्फुरदेमाविलसिताः ॥ १७

दे॰ भ॰
५२

[illegible]

[illegible]

𑆪𑆼𑆰𑆳𑆁 𑆤𑆳 𑆥𑆩𑆳𑆁𑆱𑆳𑆁𑆱𑆳𑆑𑆬𑆵𑆱𑆴𑆮𑆶
𑆫𑆵𑆃𑆱𑆳𑆥𑆮𑆳𑆤𑆳 𑇓𑇑 𑆑𑆻𑆩𑆳𑆓𑆵𑆱𑆠𑆴𑆤𑆴
𑆗𑆴𑆢𑆳𑇀 𑆑𑆻𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆼𑆱𑆩𑆥𑆩𑆳𑆁 𑆱𑆶𑆑𑇀𑆫𑆳
𑆱𑆵𑆩𑆠𑆥𑇀𑆫𑆼𑆠𑆼𑆠𑆼𑆪𑆼𑆤𑆼𑆠𑆼𑆤𑆴𑆫𑆳𑆑𑆶𑆠𑆳𑇀 𑇓𑇒
𑆩𑆳𑆤𑆼𑆱𑇀𑆮𑆵𑆓𑆵𑆫𑆴𑆱𑆶𑆬𑇀𑆤𑆼𑆤 𑆗𑆴𑆢𑆳𑇀𑆪𑆼𑆠𑆩𑆥
𑆥𑆫 𑆮𑆳𑆤𑆑𑆵𑆃 𑆑𑆶𑆥𑆳𑆠𑆼𑆤𑆑𑆻𑆩𑆴𑆱𑆶𑆬𑆵
𑆠𑆶𑆑𑆮𑆴 𑇓𑇓 𑆪𑆃𑆁𑆪𑆃𑆁𑆱𑆩𑆤𑆶
𑆮𑆱𑆶𑆲𑆩𑆤𑆤𑆮𑆑𑆶𑆠𑆳𑇀 𑆮𑆢𑆶𑆩𑆱𑆶𑆑𑆶
𑆤𑆩𑆳𑆫𑆶𑆮𑆴𑆩𑆠𑇀𑆠𑆼𑆤𑆠𑆩𑆳𑆥𑆫 𑇓𑇔 𑆑𑆻𑆩𑆴
𑆱𑇀𑆮𑆴𑆤𑆼𑆱𑆶𑆫𑆩𑆳𑇀𑆑𑆻𑆩𑆴𑆠𑇀𑆫𑆱𑆶𑆩𑆤𑆑
𑆱 𑆤𑆑𑆴𑆠𑆱𑆶𑆥𑆼𑆑𑆳𑆬𑆵𑆱𑆴𑆮𑆢𑆶𑆫𑆵
𑆱𑆤𑆳𑆪𑆴𑆪𑇀 𑇓𑇕 𑇈 𑆃𑆠𑆴𑆱𑆶𑆵𑆩𑆑𑆶
𑆑𑆶𑆪𑆥𑆫𑆳𑆬𑆼𑆩𑆳𑆮𑆬𑇀𑆑𑆼𑆩𑆠𑆶𑆠𑆼 𑆱

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

भाकेतृभ्रभ्रवपेनाभग्नमभैषुण्यः ०॰
मम्बृन्नेभा । उिंउन्नुमिनृउिम
मुकिगीलंउन्नजमंनयनरथषुज्ञ
भा । भेक भांयीकामकुमभाना ठी
उिकरांभूठलेक्षुवनेमीभा ॥ दाभ
ठवाम ० उिमेह्यण्ठउउरभलक्ष
भेनृभेन्नुः धनवक्रिभीवेनभान्नुभा
कट्यनीउभुव्रविश्चुलाठ्रिक
भिवश्राभिविकाभिउन्मः १ द्व
विभृभव्रांउिठगीभभीरुभभीरुभा
उल्लगंउेपिलश्च भभीरुविश्वेव
िभाकिविसंइभीश्वीरुविमक
मरश्च ३ श्रुपकुउमनाउनुभे

[illegible]

[illegible]

[illegible]

13

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

२०

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

प्र॰ भा॰ ३०

[illegible]

33

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

भक्रीऽश्वरकभाकाभिनीभाव
काभूमा समैख्याभट्टवमनाविभे
ऋभैनानसिनी समायेसामकल्प
नीकानकुकनकल्पा कल्प
ऊँ३ः कैभलतुः कन विश्वनाथि
क विभ्रतुरी विभ्रकरी विभ्रमी
विभ्रमयिनी कभमतुकभनि
लयाकभैसीठगभगल्लिनी ३
यनुयैनिभञ्जमयेनभञ्जमायेम
मी धमातुमशाविशीभोकिनी
भमठाक्षिनी भमभूयभमनामु
कालकलविनासिनी कामुक
लेमीकलनुभकल्प कल्पके

षिल्ली कैभलाङ्गीविद्युभण्डयेगसी
मयुगङ्गी ङ्कविद्युविभेकमभे
ङिनीभिङिनीवर सुभेधाभटभक
ल्मभटभटुनिवगभिनी भटरूभ
भटवकभटवद्युरूनधिया मनी
गवभिनीवाभवनभमवभरूणि
रु कथल्लङ्गल्लक्लीक
लिककल्लनभिनी गीङ्गीङरि
षगन्नभगीङ्गीङमालिनी वि
द्युयेनिविद्युभण्डविद्युवद्युरूथभ
यी पक्षिमवम ङङ्गुरुबभने
भ्रुङ्गीमभेःमुल्लपालिनी भक
कल्लीकल्लङ्गीङभैरवीमवमनंभ

र्मः भः ७८

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ श्रीं कुमारीगणपतये नमः ॥
ॐ अस्य श्रीकुमारीहृदयमन्त्रस्य भ
गवानृषिः [illegible] छन्दः श्री
कुमारी देवता ह्रीं बीजं [illegible]
शक्तिः [illegible] कीलकं मा
[illegible]
[illegible]
[illegible] नमः ॐ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

ह्रीम्कुल्लेखिता इत्येवमेव मन्त्र
ममाल्लिकाद्युक्तीतिः पश्चिक
मेद्वाह्वेनच्चनथवनम्स द्व
तः पठ्ठमन्त्रं भ्रमाक्कलेयमन्त्रः
मनमा इतिःस्तवमः स्वेदेच्चम
त्रुमस्मामोत्त् स्त्रैकमन्त्राभेत्तेल्ल
यापछूंवमस्यवपञ्जुकमा मेद्रव
मेतिभेत्रिंयंतः स्त्रैकसुमन्त्रकः
भक्काल्ले यस्त्रैमन्त्रः स्त्रैकमन्त्रस्त्र
यंतः उत्तेस्वीथठवर्णिमत्रम
त्रास्वकीतिः भक्काल्लेयमन्त्रः प
ञ्जुयंमन्त्रं हृदयं मन्त्रोउमा स्वबालुहु
पिकेमन्त्रः मावाल्लिकवित्तमन्त्रः

ष्टोऽपि कमलानन्तं स्तुतं शङ्करेण दुर्गायन्नीश्व

रम्। विष्णुभक्त्या मेऽनन्तशक्तिर्विष्णु

गणान्सर्वान् कार्यमति भक्त्या शुद्ध

मतिः भक्त्या सर्वान् लक्ष्मीमति

भक्त्या सर्वान् मतिः लक्ष्मीं मतिं भक्त

वति सर्वान् मतिं तस्य अप्रमेय

सर्वान् इति श्रीभाग्यवर्धनं

विंशतिसंख्यया ऽतिनवाल्पं प्र

थमाध्याये श्लोकाः ७३ मन्त्राः ०२

द्वितीयाध्याये श्लोकाः ७३ मन्त्राः ७७

तृतीयाध्याये श्लोकाः २० मन्त्राः २८

ट० चतुर्थाध्याये श्लोकाः ३७ मन्त्राः २१

भ० पञ्चमाध्याये ७७ मन्त्राः ०३७ सर्व

सूक्ते ४० मन्त्राः ३८ अष्टमाष्टसूक्ते
४५ मन्त्राः ४१ सप्तमाष्टसूक्ते ६०
मन्त्राः ६३ नवमाष्टसूक्ते ३७ मन्त्राः
८० दशमाष्टसूक्ते ४१ मन्त्राः ३४
एकादशाष्टसूक्ते ५० मन्त्राः ५५
द्वादशाष्टसूक्ते ३७ मन्त्राः ८०
इति दशसूक्तश्लोकाः ०१ मन्त्राः
३७ सर्वश्लोकाः ५१३ मन्त्राः
यः ७०० ॥ ॥ ॥ ॥
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] [illegible]
[illegible] [illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] ॥

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

॥ ॥ ॥

[illegible]

॥ ॥ ॥ ॥ ॥

ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ ॐ श्री गुरवे नमः [illegible]

[illegible] ॥१॥

[illegible] ॥२॥

[illegible] ॥३॥

[illegible] ॥४॥

[illegible] ॥५॥

[illegible] ॥६॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

९ ॥

१० ॥

॥

३३॥

[illegible]

मयामं पविरिक्षतु ॥११॥ कुंडमंपतुतैवप
क्षनलेषमवुट नपतुद्वंतषपतुतुष
मकलिका ॥१३॥ प्रदन्नमञ्चलेपतुपतुमं
मेममञ्चलमा वञ्जिसमञ्चलेपतुमतुमंप
तुमवट ॥१४॥ रलसुपतुमं त्रिदंपतुत्रि
दंतमेगुलः सुष्ठुतंसमक्रितदु विद्रुतंसिव
सुषा ॥१०॥ मट सिवन्नयतुतुं मवंतदतुमव
ट कुंमयाकला विदतद्ददेविक्रुतयी ॥
रत्नसिंदमनेदेहरकं गेवतमवट वदवि
क्षुत्रनटस्रं स्त्रसमट सिवः ॥१४॥ तेपछ
मनेष्ट रकं गेवतुमवट सुणलवमनं
पतुपतुपेदश्रुलमनमा ॥१३॥ देहमनं
मटपतुपतुमनसूमनंतष मवमनुमनंप
तुमप्रसिद्धमनंतषा ॥१५॥ तैवंमिश्रद
हेरकं गेवतुमवट संश्रुणीश्वरगीमेववसि
मीश्रीस्त्रमलिनी ॥१५॥ मिश्रीश्वरटतदमव

[illegible]

[illegible] ॥३४॥ भैरव
[illegible] पीठके [illegible] श्रीमद्[illegible]ः
[illegible] ॥३५॥ [illegible]
[illegible] भैरवः [illegible] श्रीमद्[illegible]ः [illegible]
[illegible] सिद्धये ॥३६॥ [illegible]
[illegible] श्रीमद्[illegible] [illegible]
[illegible] सिद्धये ॥३७॥ [illegible] श्रीमद्[illegible]ः [illegible]
[illegible] पीठ[illegible] [illegible]
सिद्धये ॥३८॥ [illegible] श्रीमद्[illegible]
[illegible] भैरवो रक्षां करोतु मम सिद्धये ॥ ३९॥
[illegible] पीठ[illegible] भैरवः [illegible]
श्रीमद्[illegible] रक्षां [illegible] करोतु मे ॥[illegible]॥ [illegible]
[illegible] पीठ[illegible] [illegible]
[illegible] भैरवो रक्षां करोतु मम सर्वदा ॥४०॥ [illegible]
[illegible] पीठके [illegible]
[illegible] सिद्धये ॥४१॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हंसाक्षपुण्डरीकाक्षः देवः श्रीमद्रामपदाम्बुजं(?) नव
तुर्यमद ॥११२॥ धराधरैर्विधिविष्णुहरैः सदा(?)
सेवितः मण्डलेशश्च मन्त्राध्यक्षः निवृत्तम
वन ॥११३॥ श्रीमच्छिवकेलिमयः पुत्रकेलिदा
यिनीप्रमोदमानप्रदश्च तत्सुखः श्रीपीठदेवता ॥ ११४॥
कामकलावासिनी च तत्पुरे वल्लभशक्तिः उल्लसन्ती
मण्डपीठे तत्र संध्यमाला निवासिनी ॥११५॥ प्रदक्षि
णपीठे तत्र निवासमन्त्रनिवासिनी वधूविनुतरूपि
णी च तत्र श्रीमच्छिवकुलमन्त्रवासिनी ॥११६॥ शैलेन्द्रमे
खलीमन्त्रभवतारासु धनमेकात्मे च तत्र समस्तमन्त्र
वीथिश्रीपादमन्त्रवासिनी ॥११७॥ महाविद्याकौल
कुलप्रतिष्ठाभूमेः परमन्त्रप्रवासिनी नित्यं च तत्र
सं ध्रिप्रतिष्ठावासिनी ॥११८॥ तत्त्वक्षमालामन्त्रतत्त्वम
न्दिरकामेश्वरी परमन्त्रावासिनी नित्यं च तत्र श्रीपु
रवासिनी ॥११९॥ कामकलाविलासिनी तत्र पुरे

११४॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] सकलगुण [illegible]
[illegible] ॥
[illegible] सकलगुण [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ इति श्री [illegible]
[illegible] श्रीपञ्चमीस्तवराजः समाप्तः ॥ ॥ ॥ [illegible]

[illegible] नमो विष्णवे ॥ वैशम्पायन उवाच ॥ ॐ
श्रुत्वा धर्मानशेषेण पावनानि च सर्वशः । यु
धिष्ठिरः शान्तनवं पुनरेवाभ्यभाषत ॥ १ ॥ यु
धिष्ठिर उवाच । किमेकं दैवतं लोके किं वाप्येकं परा
यणम् । स्तुवन्तः कं कमर्चन्तः प्राप्नुयुर्मान
वाः शुभम् ॥ २ ॥ को धर्मः सर्वधर्माणां भवतः
परमो मतः । किं जपन्मुच्यते जन्तुर्जन्मसं
सारबन्धनात् ॥ ३ ॥ भीष्म उवाच ॥ जग
त्प्रभुं देवदेवमनन्तं पुरुषोत्तमम् । स्तुवन्नाम
सहस्रेण पुरुषः सततोत्थितः ॥ ४ ॥ तमेव चार्च
यन्नित्यं भक्त्या पुरुषमव्ययम् । ध्यायन्स्तुवन्
नमस्यंश्च यजमानस्तमेव च ॥ ५ ॥ अनादिनिध
नं विष्णुं सर्वलोकमहेश्वरम् । लोकाध्यक्षं स्तुवन्नि
त्यं सर्वदुःखातिगो भवेत् ॥ ६ ॥ ब्रह्मण्यं सर्वध
र्मज्ञं लोकानां कीर्तिवर्धनम् । लोकनाथं महद्
भूतं सर्वभूतभवोद्भवम् ॥ ७ ॥ एष मे सर्वधर्मा
णां धर्मोऽधिकतमो मतः । यद्भक्त्या पुण्डरीकाक्षं

वि॰
स॰
०

[illegible]

[illegible]

रथाङ्गपाणिरक्षोभ्य इति करतलकरपृष्ठाभ्यां न
मः इति करन्यासः । अथ हृदयादिन्यासः । विश्वं
विष्णुर्वषट्कार इति हृदयाय नमः । अमृतां
शूद्भवो भानुरिति शिरसे स्वाहा । ब्रह्मण्यो ब्रह्म
कृद्ब्रह्मेति शिखायै वषट् । सुवर्णबिन्दुरक्षो
भ्य इति कवचाय हुं । निमिषोऽनिमिषः स्रग्वीति ने
त्रत्रयाय वौषट् । रथाङ्गपाणिरक्षोभ्य इति
अस्त्राय फट् ॥ अथ ध्यानम् । शान्ताकारं
भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं विश्वाधारं गगन
सदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् । लक्ष्मीकान्तं
कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं वन्दे विष्णुं भव
भयहरं सर्वलोकैकनाथम् ॥ नमोऽस्तु ते ॥
ॐ विश्वं विष्णुर्वषट्कारो भूतभव्यभवत्प्रभुः । भूत
कृद्भूतभृद्भावो भूतात्मा भूतभावनः । १ पूता
त्मा परमात्मा च मुक्तानां परमा गतिः । अव्य
यः पुरुषः साक्षी क्षेत्रज्ञोऽक्षर एव च २ यो
गो योगविदां नेता प्रधानपुरुषेश्वरः । नारसिं

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

वनेचरो भग्नसुविविक्तः भूतिसम्पन्नः ११ स्व
कुलेश्वरेश्वरश्री भक्तेश्वर भैरवः [illegible]
[illegible] सिद्धिविशुद्धः भक्तप्रसन्नः १२
[illegible] भक्तमान्द्य [illegible] धनः
[illegible] भक्तकामदः [illegible] १३
[illegible] समविच्छेदः भोगेश्वरः [illegible]
[illegible] भक्तवत्सलः [illegible] १०
[illegible] पवनः पावनो [illegible] कृ
[illegible] कामी कामप्रदः [illegible] ११
[illegible] भक्तप्रसन्नः
[illegible] भक्तभुक्ति [illegible] १३
[illegible] सिद्धः [illegible]
[illegible] विश्वगन्ध [illegible]
[illegible] १२ [illegible]
[illegible] भवान्तकः [illegible]
[illegible] भूतिवर्धनः १५ [illegible]

[illegible]

[illegible]

ज्योतिरादित्यः सहिष्णुर्गतिसत्तमः सु
धन्वा खण्डपरशुर्दारुणो द्रविणप्रदः ९०
दिवःस्पृक्सर्वदृग्व्यासो वाचस्पति ऽयोनिजः
त्रिसामा सामगः साम निर्वाणं भेषजं भि
षक् ९१ संन्यासकृच्छमः शान्तो निष्ठा शा
न्तिः परायणम् शुभाङ्गः शान्तिदः स्रष्टा कु
मुदः कुवलेशयः ९२ गोहितो गोपतिर्गो
प्ता वृषभाक्षो वृषप्रियः अनिवर्ती निवृ
त्तात्मा संक्षेप्ता क्षेमकृच्छिवः ९३ श्रीवत्स
वक्षाः श्रीवासः श्रीपतिः श्रीमतांवरः श्री
दः श्रीशः श्रीनिवासः श्रीनिधिः श्रीविभा
वनः ९४ श्रीधरः श्रीकरः श्रेयः श्रीमां
ल्लोकत्रयाश्रयः स्वक्षः स्वङ्गः शतानन्दो नन्दि
र्ज्योतिर्गणेश्वरः ९५ विजितात्मा विधेया
त्मा सत्कीर्तिश्छिन्नसंशयः उदीर्णः सर्वत
श्चक्षुरनीशः शाश्वतस्थिरः ९६ भूशयो

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः शिवाय ॥ अस्य श्रीशिव
कवचमन्त्रस्य ऋषभयोगीश्वर ऋ
षिः अनुष्टुप्छन्दः [illegible] देवता
ह्रं बीजं ह्रीं शक्तिः ह्रूं कीलकं
मम [illegible] शिवप्रीत्यर्थे शिवकव
चपाठे विनियोगः ॐ नमो
भगवते ज्वल[illegible]ल ४ ह्लां
मालिने ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं [illegible]
[illegible] नमः [illegible] य नमः एवमन्
[illegible]
ॐ [illegible]
[illegible]

शि. क. ०

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

मूलमित्युक्त्वा भगवान्मिति मित्युक्त्वा
(हिमकरः)
ऋष्यादि त्रिष्टुप्ध्यानः पिनाकः
कःस्वयम्भूःसद्योजातनमस्कि
यनमन्त्रशिखाविष्णुसहायानःसद्
यदंसंभि उडुडुपासविध
वीत्रिभसङ्क्रमडनीहुंसीष्वर
मयउमेश्वरगङ्गाधरपीनः ॥
ॐनमोभगवते रुद्राय सर्वसि
वाय सकलतत्त्वरूपाय सकल
तत्त्वविद्याराय शम्भुविष्णुरू
वण्ठाय नीलकण्ठाय पाव
तीभवेश्वराय सोमसूर्याग्नि

मनाय ओंमिकुलितविग्रहाय म
हामल्लिभक्तप्रियाय सखि
ल्लितिलयकराय सर्वपु
रुंभनाय भगकलठमनाय
भूलप्रवैकविलयाय उत्कृष्ट
य गद्गदाय भवभिवाप्रिभेव
य धनमूर्याय वेमन्त्रमयाय
त्रिवनभवनाय सर्वकर्केलि
[illegible]
उत्कर्ककेलि सर्वपालत्रिलि
कपस्मभवपस्मराग्रहाय
पूर्वसूत्रपाय त्रकमभित्रि

पादयुग्महृद्भासिने सकल
कलङ्करहिताय सकललोकैककर्त्रे
सकललोकैकभर्त्रे सकललो
कैकहर्त्रे सकललोकैकगुरवे
सकललोकैकसाक्षिणे सकल
निगमगुह्याय सकललोकैकवर
प्रदायिने सकलदुरितार्तिभञ्ज
नाय सकलजगदभयङ्करा
य सकलवेदान्तपारगाय सक
ललोकैकभयङ्कराय सर्वाङ्गमांथ
ण्य साम्बशिवाभाय निर
ञ्जनाय निराभयाय निर्मलाय

निर्मलाय निष्प्रपञ्चाय निरहङ्का
राय निराकुलाय निष्कलङ्का
निर्गुणाय निष्कामाय निरुप
प्लवाय निरवद्याय निरञ्ज
य निष्कारणाय निरातङ्का
निष्कुलाय निरवभासाय नि
रञ्जनाय निष्प्रपञ्चाय निर्द्व
न्द्वाय निःशङ्काय निर्गुणाय
निरुपमविग्रहाय निराधार
य नीरागाय निर्धूपाय निर्म
याय निष्पापाय निर्भयाय नि
र्विकल्पाय निर्मलाय निर्धू

शि॰ क॰ २

याय निरञ्जनाय निःश्रेयसाय
निराभास त्रिभुवनविष्ठाय निरु
[illegible]
भस्माङ्गभूषणाय त्रैलोक्यपालाय त्रै
लोक्यभयाय [illegible]
[illegible] भैरव क
ल भैरव कपाल भैरव काल
भैरव कपालमाला [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

शिववर्म्मन्तकवचः सद्यःश्राप
सर्वश्रेष्ठं शीघ्रसाधुसम्पत्ति
सर्वत्र हिमस्सत्सप्तसमस्तद्विवद
नसा॥ येनैतत्कवचं शैवं समशैव न
पिपर्त्ति सर्वपापक्षयश्चैव
मुक्तिश्चापि परं के: स दत्तं सप्ति
र्थमेति शिववर्म्मन्तकवचः
इति श्रीस्कन्दपुराणे ब्रह्मोत्तरखण्डे
उमामहेश्वरसंवादे शिवकवचं
सम्पूर्णम्॥ ओंनमः शिवाय
ॐ ह्रूं पं शं भूं धं समं ॐ ह्रूं ॐ ह्रूं च
शंसमस्तं यजमानस्य॥

तिष्ठति ॥ वासुदेव उवाच ॥ ततः स
प्रयतो भूत्वा मम तात युधिष्ठिर प्रा
ञ्जलिः प्राह विप्रर्षिर्नामसंग्रहमा
दितः ॥१०॥ उपमन्युरुवाच ॥ ब्रह्मप्रो
क्तैरृषिप्रोक्तैर्वेदवेदाङ्गसम्भवैः
सर्वलोकेषु विख्यातैः स्थाणुं स्तोष्यामि
नामभिः ॥१॥ महद्भिर्विहितैः सत्यैः
सिद्धैः सर्वार्थसाधकैः ऋषिणा तण्डि
ना भक्त्या कृतैर्देवकृतात्मना ॥२॥ य
थोक्तैर्लोकविख्यातैर्मुनिभिस्तत्त्वदर्शिभिः
प्रवरं प्रथमं स्वर्ग्यं सर्वभूतहितं शुभम् ॥३॥
श्रुतैः सर्वत्र जगति ब्रह्मलोकावता
रितैः सत्यैस्तत्परमं ब्रह्म ब्रह्मप्रोक्तं सना
तनम् ॥४॥ वक्ष्ये यदुकुलश्रेष्ठ शृणुष्वा
वहितो मम पाठेन चैव तेनैव
श्रावयिष्यामि ॥५॥ तेनेदं श्रावयि
ष्यामि यत्तद्ब्रह्म सनातनम् वरयैनं भ

शि
स
०

उरगाणामधिपतये ... पतये नमः ॥३५॥
मातॄणामधिपतये ... नामधिपतये ...
पवित्राणां पवित्रं यो ... नामधिपतये ... ३६
देवानामधिपो देवो मुनीनामधिपो मुनिः प
... नामधिपो ... शिवानामधिपः शिवः ३७
... नामधिपो ... भूतानामधि
योगिनामधिपो योगी ... ॥३८॥
यत्रैलोक्यमधिपतिस्त्रिधा ... पतये नमः
... ॥३९॥
... ॥४०॥
इति श्रीशिवनामसहस्रं ... विष्णुपादि ...
... शिवे ...
... ... ॥
नः ॥ ॐ नमः शिवाय ॥ ॐ ॥ ॥
... शिवः ... महादेवः
... ४०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

𑆅𑆠𑆴 𑆯𑇀𑆫𑆵𑆩𑆲𑆳𑆨𑆳𑆫𑆠𑆼 𑆯𑆠𑆱𑆳𑆲𑆱𑇀𑆫𑇀𑆪𑆳𑆁 𑆱𑆁𑆲𑆴𑆠𑆳𑆪𑆳𑆁
𑆯𑆳𑆤𑇀𑆠𑆴𑆥𑆫𑇀𑆮𑆟𑆴 [illegible] 𑆱𑆳𑆱𑆤𑆼 [illegible]
[illegible]𑆃𑆤𑆮𑆠𑆁: [illegible] 𑆫𑆳𑆩𑆱𑆲𑆱𑇀𑆫𑆁
𑆱𑆩𑆳𑆥𑇀𑆠𑆩𑇆 ॥ ॥

00

ॐ

ॐ नमः शिवाय ॥ महिम्नः पारं ते परमवि-
दुषो यद्यसदृशी स्तुतिर्ब्रह्मादीनामपि तद-
वसन्नास्त्वयि गिरः । अथावाच्यः सर्वः स्वम-
तिपरिणामावधि गृणन्ममाप्येष स्तोत्रे हर नि-
रपवादः परिकरः १ अतीतः पन्थानं तव
च महिमा वाङ्मनसयोरतद्व्यावृत्त्या यं चकित-
मभिधत्ते श्रुतिरपि । स कस्य स्तोतव्यः कतिविध-
गुणः कस्य विषयः पदे त्वर्वाचीने पतति
न मनः कस्य न वचः २ मधुस्फीता वाचः
परमममृतं निर्मितवतस्तव ब्रह्मन्किं वाग-
पि सुरगुरोर्विस्मयपदम् । मम त्वेतां वा-
णीं गुणकथनपुण्येन भवतः पुनामीत्यर्थेऽस्मि-
न्पुरमथन बुद्धिर्व्यवसिता ३ तवैश्वर्यं य-
ज्जगदुदयरक्षाप्रलयकृत्त्रयीवस्तु व्यस्तं
तिसृषु गुणभिन्नासु तनुषु अभव्यानाम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

ॐ अस्याः श्रीवैष्णव्या अपराजिताया मन्त्र
विद्यायाः वामदेवबृहस्पतिमार्कण्डेय ऋ
षयः गायत्र्युष्णिग्बृहतीछन्दांसि
श्रीलक्ष्मीनृसिंहो देवता ॐ क्लीं श्रीं ह्रीं
बीजं हुं शक्तिः सकलकामनासिद्ध्यर्थे
अपराजितविद्यामन्त्रपाठे विनियोगः ॥
ॐ नीलोत्पलदलश्यामां भुजङ्गाभरणान्वि
ताम् बालेन्दुशेखरां देवीं वरदाभयदायि
नीम् ० पीतेन्दु[?] शङ्खपद्म[?]
शूलिनीं [?] नमस्कृत्य पठे
न्मार्कण्डेयो महातपाः ॥ मार्कण्डेय
उवाच ॐ नमो नारायणाय ॐ नमो
भगवते वासुदेवाय ॐ नमोऽनन्ताय सह
स्रशीर्षाय क्षीरार्णवशायिने शेष
भोगपर्यङ्काय गरुडवाहनाय अमोघा
य अजाय अजिताय पीतवाससे वा
सुदेव सङ्कर्षण प्रद्युम्न अनिरुद्ध हय

अ॰ वि॰ ७

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]